Think IAS...

दृष्टि The Vision

Think Drishti

राजस्थान लोक सेवा आयोग (RAS/RTS)

खेल एवं योग

(राजस्थान के विशेष संदर्भ सहित)

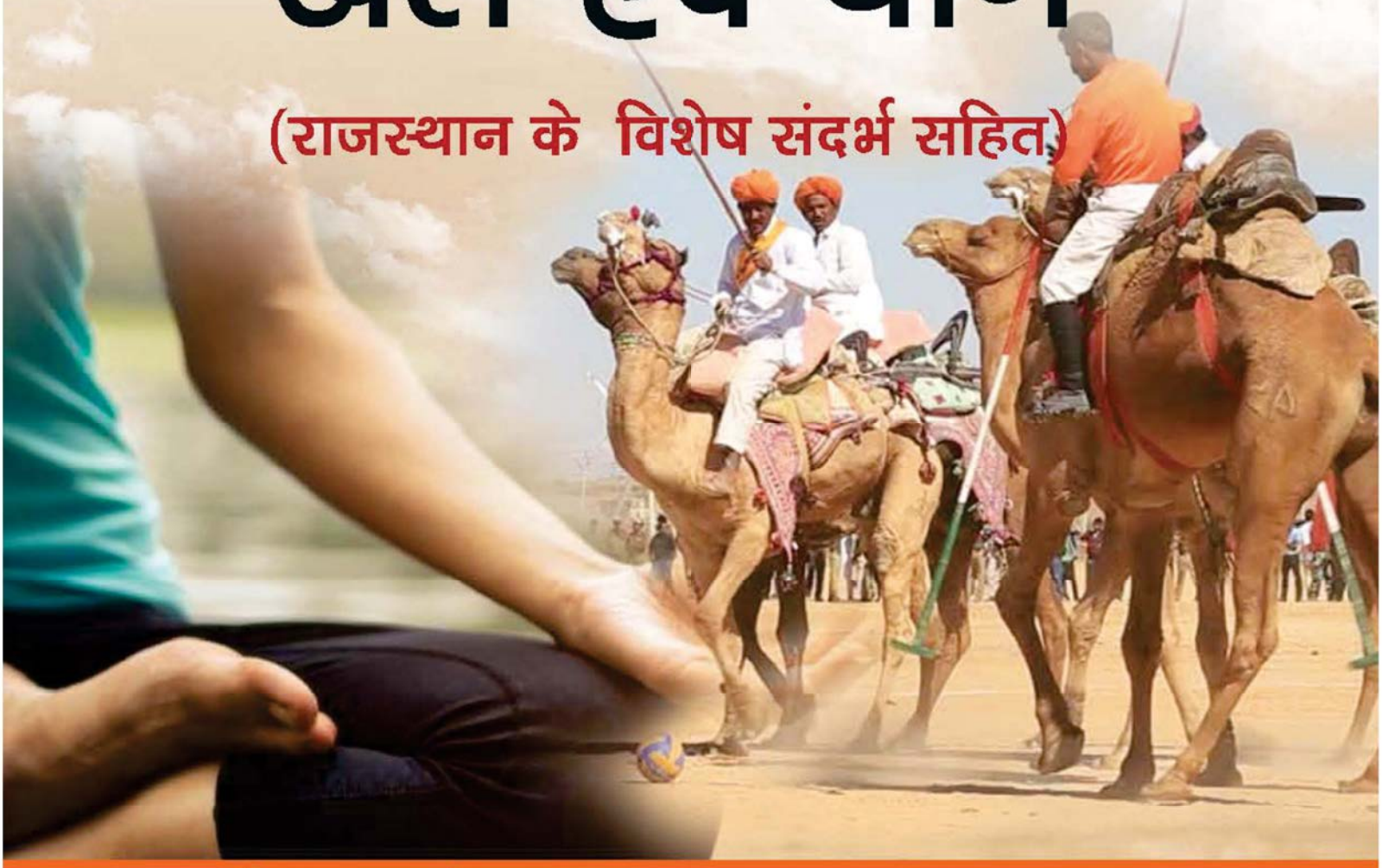

दूरस्थ शिक्षा कार्यक्रम (Distance Learning Programme)

Code: RJPM23

राजस्थान लोक सेवा आयोग (RAS/RTS)

खेल एवं योग

(राजस्थान के विशेष संदर्भ सहित)

641, प्रथम तल, डॉ. मुखर्जी नगर, दिल्ली-110009
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501
टोल फ्री : 1800-121-6260
Web : www.drishtiIAS.com
E-mail : online@groupdrishti.com

पाठ्यक्रम, नोट्स तथा बैच संबंधी updates निरंतर पाने के लिये निम्नलिखित पेज को "like" करें
www.facebook.com/drishtithevisionfoundation
www.twitter.com/drishtiias

RAS DLP विषय सूची (Contents)

1.	**प्रमुख खेलकूद**	**5–25**
2.	**प्रमुख खेल प्रतियोगिताएँ : विश्व एवं एशिया**	**26–63**
2.1	विश्व की प्रमुख खेल प्रतियोगिताएँ	26
2.2	एशिया की प्रमुख खेल प्रतियोगिताएँ	50
3.	**भारत की प्रमुख खेल प्रतियोगिताएँ**	**64–77**
4.	**प्रमुख खेल पुरस्कार : विश्व एवं एशिया**	**78–85**
4.1	विश्व के प्रमुख खेल पुरस्कार	78
4.2	एशिया के प्रमुख खेल पुरस्कार	83
5.	**प्रमुख खेल पुरस्कार : भारत एवं राजस्थान**	**86–99**
5.1	भारत के प्रमुख खेल पुरस्कार	86
5.2	राजस्थान के प्रमुख खेल पुरस्कार	92
6.	**प्रमुख खेल व्यक्तित्व : विश्व एवं एशिया**	**100–118**
6.1	विश्व के प्रमुख खेल व्यक्तित्व	100
6.2	एशिया के प्रमुख खेल व्यक्तित्व	115
7.	**प्रमुख खेल व्यक्तित्व : भारत एवं राजस्थान**	**119–136**
7.1	भारत के प्रमुख खेल व्यक्तित्व	119
7.2	राजस्थान के प्रमुख खेल व्यक्तित्व	132
8.	**प्रमुख खेल संस्थाएँ : विश्व एवं एशिया**	**137–143**
8.1	विश्व की प्रमुख खेल संस्थाएँ	137
8.2	एशिया की प्रमुख खेल संस्थाएँ	141

9. प्रमुख खेल संस्थाएँ एवं नीतियाँ : भारत एवं राजस्थान **144–152**

9.1 भारत की प्रमुख खेल संस्थाएँ एवं नीतियाँ 144

9.2 राजस्थान की प्रमुख खेल संस्थाएँ एवं नीतियाँ 148

10. खेलों में प्राथमिक उपचार **153–155**

11. योग-एक सकारात्मक जीवन पद्धति **156–204**

11.1 योगाभ्यास के लिये सामान्य दिशा-निर्देश 159

11.2 योग के प्रकार 163

11.3 अष्टांग योग एवं इसके प्रकार 163

11.4 योगासन 169

अध्याय
1

प्रमुख खेलकूद (Major Sports)

खेलकूद लोगों के मनोरंजन का प्रमुख परंपरागत साधन है। खेलकूद का अस्तित्व मानव सभ्यता के प्रारंभ से ही रहा है, परंतु समय-समय पर इसके स्वरूप में परिवर्तन होता रहा है। खेलकूद से लोगों का मनोरंजन तो होता ही है, साथ ही स्वस्थ शरीर का निर्माण भी होता है। प्राचीन काल में लोग शारीरिक श्रम अधिक करते थे, जिससे उनका शरीर हृष्ट-पुष्ट रहता था, परंतु वर्तमान भौतिकवादी युग में शारीरिक श्रम का महत्त्व कम होता जा रहा है, जिससे लोगों को स्वास्थ्य संबंधी कई समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। ऐसे लोगों को मनोरंजन के साथ-साथ अपने शरीर को स्वस्थ बनाए रखने के लिये खेल गतिविधियों में अधिक-से-अधिक भागीदारी करनी चाहिये।

वर्तमान में विभिन्न पेशेवर खेल गतिविधियों एवं प्रतियोगिताओं का आयोजन भारत सहित पूरे विश्व में किया जाता है। पेशेवर स्तर पर खेले जाने वाले कुछ प्रमुख खेल निम्नलिखित हैं-

फुटबॉल *(Football)*

- फुटबॉल विश्व के प्रसिद्ध खेलों में से एक है। इसे सामान्यत: सॉकर नाम से जाना जाता है। यह सामूहिक रूप से 11 खिलाड़ियों वाले दो दलों के मध्य एक आयताकार घास (कृत्रिम या प्राकृतिक) के मैदान पर खेला जाता है।
- फुटबॉल का इतिहास अत्यंत प्राचीन है। मध्यकालीन यूरोप में फुटबॉल को अनेक रूपों में खेला जाता था। फीफा के अनुसार, "वैज्ञानिक सबूत हैं कि फुटबॉल खेल की प्रारंभिक शैली का विकास चीन में ईसा पूर्व दूसरी तथा तीसरी सदी में हुआ था, जो सूचू (Tsu-chu) खेल के रूप में प्रसिद्ध थी।"
- फुटबॉल से संबंधित **कैंब्रिज नियम (Cambridge rule)** सबसे पहले 1848 में कैंब्रिज विश्वविद्यालय में तैयार किये गए थे। आधुनिक फुटबॉल का जन्मदाता इंग्लैंड को माना जाता है, जब वहाँ वर्ष 1857 में विश्व का पहला फुटबॉल क्लब **शेफील्ड फुटबॉल क्लब** का गठन हुआ।
- 'फेडरेशन इंटरनेशनल डी फुटबॉल एसोसिएशन' (फीफा) विश्व का सर्वोच्च फुटबॉल नियामक निकाय है, जिसका मुख्यालय ज्यूरिख (स्विट्ज़रलैंड) में है। फुटबॉल की सबसे बड़ी प्रतियोगिता फीफा फुटबॉल विश्व कप होती है, जिसका आयोजन फीफा द्वारा कराया जाता है। पहले फीफा विश्व कप का आयोजन वर्ष 1930 में उरुग्वे में हुआ था। उसके पश्चात् प्रत्येक चार वर्ष के अंतराल पर इसका आयोजन होता है, परंतु 1942 एवं 1946 में द्वितीय विश्व युद्ध के कारण फुटबॉल का विश्व कप नहीं हुआ।
- भारत में फुटबॉल का प्रारंभ अंग्रेज़ों द्वारा किया गया। भारत का पहला फुटबॉल क्लब **डलहौज़ी क्लब** था, जिसकी स्थापना वर्ष 1880 में कलकत्ता (पश्चिम बंगाल) में की गई थी। मोहन बागान क्लब की स्थापना वर्ष 1889 में की गई थी। कोलकाता को भारतीय फुटबॉल का घर कहा जाता है।

मैदान का परिमाप

- **मैदान की लंबाई** : 90 से 120 मीटर
- **मैदान की चौड़ाई** : 45 से 90 मीटर
- **अंतर्राष्ट्रीय मैचों के लिये लंबाई** : 100 – 110 मीटर, चौड़ाई - 64 – 75 मीटर
- **गेंद का वज़न** : 410 से 450 ग्राम।

- इसमें ऊँटों की सवारी कर राजस्थान के मरुस्थल का लुत्फ उठाया जाता है।
- डेजर्ट सफारी के लिये सुबह और शाम का समय सबसे अच्छा माना जाता है।
- राजस्थान में ऊँट सफारी सर्वाधिक लोकप्रिय है। यह बीकानेर एवं जैसलमेर में काफी प्रसिद्ध है।
- राजस्थान के जैसलमेर, बीकानेर और जोधपुर को डेजर्ट सफारी के लिये महत्त्वपूर्ण स्थान माने जाते हैं।

राजस्थान में गोल्फ (Golf in Rajasthan)

- राजस्थान के रामबाग पैलेस में गोल्फ खेला जाता है। रामबाग-पैलेस जयपुर में स्थित है।
- गोल्फ 19वीं शताब्दी की शुरुआत में शाही परिवारों द्वारा खेला जाता था। जयपुर की महारानी राजमाता गायत्री देवी उस समय गोल्फ सीखना चाहती थीं तथा राजा ने महारानी को गोल्फ कोर्स बनाने के लिये कहा था। राजा ने रामबाग पैलेस के मैदान को गोल्फ कोर्स में परिवर्तित कर दिया, आज गोल्फ खेला जाता है।

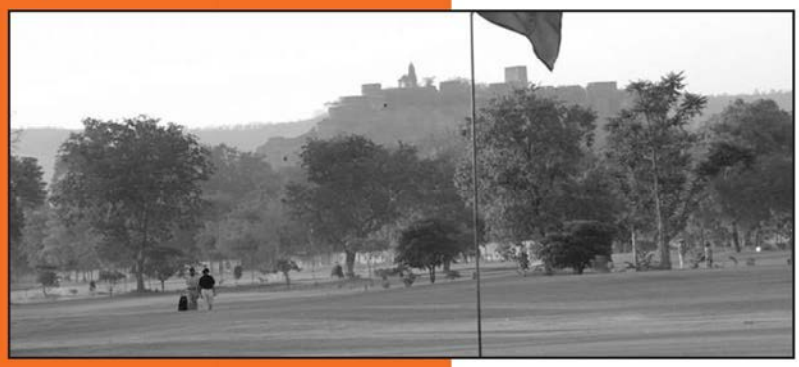

- राजस्थान के महत्त्वपूर्ण गोल्फ क्लब-
  1. रामबाग गोल्फ क्लब-जयपुर
  2. रॉयल जयपुर गोल्फ क्लब

परीक्षोपयोगी महत्त्वपूर्ण तथ्य

- आधुनिक फुटबॉल का जन्म इंग्लैंड में हुआ।
- विश्व के पहले फुटबॉल क्लब **शेफील्ड फुटबॉल क्लब** का गठन वर्ष 1857 में हुआ।
- कैंब्रिज नियम फुटबॉल से संबंधित है।
- भारत का पहला फुटबॉल क्लब **डलहौज़ी क्लब** था।
- विश्व का **पहला क्रिकेट टेस्ट मैच** इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के मध्य खेला गया था।
- एकदिवसीय क्रिकेट में दो बार दोहरा शतक बनाने वाले पहले खिलाड़ी **रोहित शर्मा** हैं।
- हॉकी का पहला अंतर्राष्ट्रीय मैच राइल में बेल्स एवं आयरलैंड के मध्य खेला गया था।
- हॉकी में **शूटिंग सर्किल** बेसलाइन से 15 मी. की दूरी पर होता है।
- टेनिस की प्रतियोगिता **विंबलडन** का प्रारंभ 'ऑल इंग्लैंड चैंपियनशिप' के नाम से हुआ था।
- पेनल्टी स्ट्रोक 8 गज के फासले से लिया जाता है।
- शतरंज में आकस्मिक खेल आमतौर पर 10 से 60 मिनट का होता है।
- बेसबॉल की शुरुआत 19वीं सदी के मध्य में अमेरिका में हुई थी। इस खेल की प्रमुख शब्दावली स्ट्राइक एण्ट रबर, बेसमैन, होमरन, डायमंड, होम, आइट, पिचर आदि हैं।

- आधुनिक ग्रीको रोमन कुश्ती सबसे पहले फ्राँस में लोकप्रिय हुई।
- आधुनिक मुक्केबाज़ी का जन्म ब्रिटेन में हुआ है।
- खो-खो खेल का जन्म बड़ौदा (गुजरात) में हुआ है।
- कबड्डी को दक्षिण भारत में चेडुगुडु तथा पूर्वी भारत में **हु तू तू** कहा जाता है।
- अंतर्राष्ट्रीय एथलेटिक्स एमेच्योर फेडरेशन का मुख्यालय **मांटे कार्लो**, मोनाको में है।
- एथलेटिक्स को 'खेलों की रानी' कहा जाता है।
- **उबेर कप** महिला बैडमिंटन के लिये जाना जाता है।
- गोल्फ का आधुनिक खेल 15वीं शताब्दी में स्कॉटलैंड में खेला गया था।
- भारत का सबसे पुराना पोलो क्लब **कोलकाता पोलो क्लब** है।
- भारत में बास्केटबॉल का पहला मैच सन् 1930 में खेला गया था।
- बिलियर्ड्स का प्रारंभ फ्राँस में माना जाता है।
- वाटर पोलो खेल की शुरुआत 1860 ई. में इंग्लैंड में हुई।
- थर्ड मैन स्लिप एवं गली के पीछे रखा जाता है।

बहुविकल्पीय प्रश्न

1. राजस्थान का राजकीय खेल क्या है?
   (1) फुटबॉल (2) क्रिकेट
   (3) बास्केटबॉल (4) वॉलीबॉल
2. 'क्रिकेट का मक्का' किस मैदान को कहा जाता है?
   (1) लॉर्ड्स (2) ईडन गार्डन्स
   (3) मेलबर्न क्रिकेट मैदान (4) ग्रीन पार्क
3. पोलो टीम में कितने खिलाड़ी होते हैं?
   (1) 4 (2) 7
   (3) 8 (4) 6
4. बोनस लाइन निम्न खेल में अंकित होती है-
   (1) रग्बी (2) खो-खो
   (3) कबड्डी (4) जूडो
5. ब्लैक पर्ल किस खेल से संबंधित है?
   (1) गोल्फ (2) स्नूकर
   (3) फुटबॉल (4) घुड़दौड़
6. लिब्रो शब्द का उपयोग किस खेल में किया जाता है?
   (1) बास्केटबॉल (2) वॉलीबॉल
   (3) हैंडबॉल (4) सॉफ्टबॉल
7. 'बटरफ्लाई स्ट्रोक' शब्द का संबंध है-
   (1) तैराकी से (2) मुक्केबाज़ी से
   (3) कुश्ती से (4) कबड्डी से
8. खो-खो खेल में कितने खिलाड़ी एक टीम में होते हैं?
   (1) 11 (2) 7
   (3) 12 (4) 9
9. शतरंज के बोर्ड में कितने वर्ग/खाने होते हैं?
   (1) 54 (2) 64
   (3) 56 (4) 72
10. क्रिकेट की गेंद का वज़न होता है-
    (1) 159.9 ग्राम से 163 ग्राम तक
    (2) 149.9 ग्राम से 153 ग्राम तक
    (3) 169.9 ग्राम से 174 ग्राम तक
    (4) 139.9 ग्राम से 143 ग्राम तक
11. सुब्रतो कप निम्नलिखित में से किससे संबंधित है?
    (1) फुटबॉल (2) क्रिकेट
    (3) शतरंज (4) बैडमिंटन
12. एक टीम से कितने खिलाड़ी मैदान पर क्रमशः खो-खो, कबड्डी, वॉलीबॉल व बास्केटबॉल में खेलते हैं?
    (1) 7, 9, 5, 6 (2) 5, 6, 7, 9
    (3) 9, 7, 6, 5 (4) 7, 5, 6, 9
13. क्रिकेट में बल्लेबाज़ कितने प्रकार से 'आउट' हो सकता है?
    (1) 5 (2) 6
    (3) 8 (4) 10

14. 'पिन्च हिटर' मूलत: किससे संबंधित है?
(1) क्रिकेट (2) पोलो
(3) बेसबॉल (4) स्क्वैश

15. उबेर कप किसके लिये दिया जाता है?
(1) महिला बैडमिंटन (2) गोल्फ
(3) महिला टेबल टेनिस (4) फिंगर स्केटिंग

16. पेनल्टी स्ट्रोक कितने फासले से मारा जाता है?
(1) 8 गज (2) 10 गज
(3) 12 गज (4) 11 गज

17. थर्ड मैन कहाँ रखा जाता है?
(1) लेग साइड
(2) स्लिप एवं गली के पीछे
(3) मिड ऑफ पर
(4) इनमें से कोई नहीं

18. ग्रैंड स्लैम किस खेल से जुड़ा है?
(1) पोलो (2) बास्केटबॉल
(3) टेबल टेनिस (4) टेनिस

19. किस खेल को 'सज्जनों का खेल' कहा जाता है?
(1) हॉकी
(2) क्रिकेट
(3) गोल्फ
(4) बिलियर्ड्स

20. विश्व का पहला वनडे क्रिकेट मैच किन दो टीमों के बीच खेला गया था?
(1) भारत और इंग्लैंड
(2) भारत और ऑस्ट्रेलिया
(3) इंग्लैंड और साउथ अफ्रीका
(4) इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया

21. 'कैंब्रिज नियम' का संबंध किस खेल से है?
(1) हॉकी (2) फुटबॉल
(3) गोल्फ (4) क्रिकेट

22. 'स्टिक' शब्द किस खेल से संबंधित है?
(1) फुटबॉल (2) क्रिकेट
(3) हॉकी (4) कुश्ती

उत्तरमाला

1. (3)	2. (1)	3. (1)	4. (3)	5. (3)	6. (2)	7. (1)	8. (4)	9. (2)	10. (1)
11. (1)	12. (3)	13. (4)	14. (1)	15. (1)	16. (1)	17. (2)	18. (4)	19. (2)	20. (4)
21. (2)	22. (3)								

अति लघुउत्तरीय प्रश्न (उत्तर लगभग 15–20 शब्दों में दीजिये)

1. टेबल टेनिस के परिमाप का वर्णन कीजिये।
2. मुक्केबाज़ी खेल की चर्चा कीजिये।
3. लॉन टेनिस का वर्णन कीजिये।

लघुउत्तरीय प्रश्न (उत्तर लगभग 50–50 शब्दों में दीजिये)

1. बैडमिंटन खेल की चर्चा कीजिये।
2. शतरंज खेल का वर्णन कीजिये।
3. तैराकी खेल का वर्णन कीजिये।

दीर्घउत्तरीय प्रश्न (उत्तर लगभग 100 या 200 शब्दों में दीजिये)

1. राजस्थान के पर्यटन संबंधी खेलों का वर्णन कीजिये।
2. बॉस्केटबॉल खेल का वर्णन कीजिये।
3. वॉलीबॉल एवं तीरंदाज़ी खेलों का वर्णन कीजिये।
4. निशानेबाजी एवं ताइक्वांडो खेलों का विस्तृत वर्णन कीजिये।
5. फुटबॉल एवं रग्बी फुटबॉल खेलों की चर्चा कीजिये।

अध्याय
2

प्रमुख खेल प्रतियोगिताएँ : विश्व एवं एशिया (Major Sports Events : World and Asia)

विभिन्न खेलों में खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने के लिये खेल संगठनों द्वारा खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाता है। इन खेल संगठनों में ओलंपिक संघ का प्रमुख स्थान है। यह संगठन विश्व के कई देशों के एथलीटों की संगठित टीमों के बीच कई अलग-अलग खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन करता है। इसमें विश्व के कई क्षेत्रीय एवं बहुस्तरीय खेलों का भी आयोजन किया जाता है। ओलंपिक खेलों का आयोजन प्रत्येक चार वर्ष में होता है, परंतु कुछ खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन वार्षिक स्तर पर भी किया जाता है। इन खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन कर सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों को स्वर्ण पदक, रजत पदक एवं कांस्य पदक से सम्मानित किया जाता है, इसके साथ-साथ लगभग सभी देशों में राष्ट्रीय स्तर के पुरस्कार भी प्रदान किये जाते हैं।

2.1 विश्व की प्रमुख खेल प्रतियोगिताएँ *(World's Premier Sports Events)*

ओलंपिक खेल *(Olympic games)*

- भव्यता, रोमांच एवं अद्‌भुत प्रदर्शन की दृष्टि से ओलंपिक विश्व की सबसे बड़ी खेल स्पर्द्धा है।
- ओलंपिक खेल यूनानी देवता जीसस के सम्मान में आयोजित किये जाते थे।
- यूनानी कैलेंडर के अनुसार प्रथम ओलंपिक खेल **776 ई.** पूर्व में ओलंपिया स्टेडियम में आयोजित हुए थे। इसी कारण इन खेलों के आयोजन को ओलंपिक के नाम से जाना जाता है।
- **4 से 15 अप्रैल, 1896** तक प्रथम आधुनिक ओलंपिक खेलों का आयोजन एथेंस (यूनान की राजधानी) में संपन्न हुआ।
- ओलंपिक खेलों का आयोजन चार वर्ष के अंतराल पर होता है। ओलंपिक खेल क्रमश: विश्व के विभिन्न देशों में आयोजित किये जाते हैं।
- अभी तक कुल 31 ओलंपिक खेल आयोजित किये जा चुके हैं।
- 31वें ओलंपिक खेलों का आयोजन **2016** में ब्राज़ील के **रियो डि जेनेरियो** में संपन्न हुआ।
- **वर्ष 2020** में ओलंपिक खेल का आयोजन टोक्यो में प्रस्तावित है।

ओलंपिक आदर्श वाक्य

- ओलंपिक का आदर्श वाक्य यूनानी भाषा में तीन शब्द **सिटियस, अल्टियस** एवं **फोर्टियस** है। इन शब्दों का अर्थ क्रमश: **और तेज़, ऊँचा** और **साहसी** है।
- यह आदर्श वाक्य एथलीटों को तेज़ दौड़ने, उच्चस्तरीय तथा शक्ति का भरपूर प्रदर्शन करने के लिये प्रेरित करता है।

ओलंपिक चार्टर (Olympic charter)

- **1894** में संकलित ओलंपिक चार्टर के आधार पर ओलंपिक के निम्न प्रमुख उद्‌देश्य हैं-
  - शारीरिक एवं नैतिक गुणों का विकास करना।

अध्याय
3

भारत की प्रमुख खेल प्रतियोगिताएँ (India's Major Sports Events)

वर्तमान में खेल को किसी व्यक्ति के संपूर्ण व्यक्तित्व के लिये आवश्यक माना जाता है। अंतर्राष्ट्रीय स्तर की प्रतिस्पर्द्धाओं में छाप छोड़ना देश की प्रतिष्ठा तो बढ़ाता ही है, साथ ही साथ खेल को गौरवान्वित भी करता है। वर्तमान में खेलों में कई बदलाव हो रहे हैं जो समय की मांग के अनुरूप हैं तथा ये बदलाव राष्ट्रीय या अंतर्राष्ट्रीय दोनों ही स्तर पर हो रहे हैं। इसलिये सरकार ने खेलों के विकास के लिये कल्याणकारी तथा उत्कृष्ट योजनाओं एवं कार्यक्रमों की शुरुआत की है।

- देश के अधिकांश राष्ट्रीय खेल परिसंघ स्वायत्तशासी हैं और इनकी प्रमुख ज़िम्मेदारी खेलों को प्रोत्साहन देना है।
- खेलों को प्रोत्साहन देने के लिये सरकार आधारभूत सुविधाओं के साथ ही विभिन्न प्रकार की प्रतियोगिताओं का भी आयोजन करती रहती है जिससे राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय स्तर की उच्च श्रेणी की प्रतिस्पर्द्धाओं में सफलता हासिल की जा सके।
- देश के कई राज्यों ने अलग से राष्ट्रीय प्रशिक्षण अकादमियों एवं विशेषज्ञ केंद्रों की स्थापना की है।
- केंद्र एवं राज्यों के कई विश्वविद्यालयों ने भी खेल को अपने स्नातक तथा स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में शामिल किया है। इसके अलावा, हर राज्य सरकार ने अपने यहाँ खेल एवं युवा कल्याण के लिये समर्पित विभाग एवं मंत्रालय बना रखे हैं, जो खेलों को प्रोत्साहन देने के लिये नियमित रूप से कार्य करते हैं।
- भारत का राष्ट्रीय खेल हॉकी है, इसके अलावा भारत सरकार अनेक खेलों को प्रोत्साहन देती है। राजस्थान का राजकीय खेल बास्केटबॉल है।
- भारत एवं राजस्थान में विभिन्न प्रकार के खेल खेले जाते हैं, जैसे- क्रिकेट, हॉकी, बास्केटबॉल, मुक्केबाज़ी, जिमनास्टिक, कबड्डी, कुश्ती इत्यादि।

प्रमुख खेल प्रतियोगिताएँ *(Major Sports Events)*

राष्ट्रीय खेल (National games)

- भारत में वर्ष 1924 से राष्ट्रीय खेलों का शुभारंभ हुआ।
- प्रत्येक 2 वर्ष के पश्चात् राष्ट्रीय खेलों को आयोजित किया जाता है। इन खेलों को भारतीय ओलंपिक खेल के नाम से भी जाना जाता है।
- हैदराबाद में 1979 में इस शृंखला का 25वाँ आयोजन हुआ। तत्पश्चात् वर्ष 1985 में नई दिल्ली में नई शृंखला के अंतर्गत राष्ट्रीय खेलों को प्रारंभ किया गया और इन्हें ही प्रथम राष्ट्रीय खेल माना गया।
- 35वें राष्ट्रीय खेलों का आयोजन केरल में (2015) में किया गया।
- 35वें राष्ट्रीय खेलों में 35 खेल शामिल किये गए थे।
- इनमें 'याचिंग' खेल को प्रथम बार शामिल किया गया था।
- 35वें राष्ट्रीय खेलों का आयोजन 4 वर्ष के बाद किया गया, इससे पूर्व 2011 में झारखंड में 34वें राष्ट्रीय खेलों का आयोजन किया गया था।
- 35वें राष्ट्रीय खेलों का उद्घाटन केरल राज्य में नवनिर्मित "ग्रीन फील्ड स्टेडियम" में केंद्रीय शहरी विकास मंत्री वेंकैया नायडू ने किया।
- 35वें राष्ट्रीय खेलों का शुभंकर केरल राज्य का राजकीय पक्षी "द ग्रेट इंडियन हॉर्नबिल" था जिसे **अम्मू** नाम दिया गया था।

अध्याय
4

प्रमुख खेल पुरस्कार : विश्व एवं एशिया (Major Sports Awards : World and Asia)

खेल कई नियमों एवं सिद्धांतों द्वारा संचालित होने वाली एक प्रतियोगी गतिविधि है। मानव संस्कृति में खेल का बहुत ही अहम स्थान है। यही कारण है कि प्राचीन काल से आज तक खेलों का महत्त्व कम नहीं हुआ है। विश्व एवं एशिया में खेलों को काफी प्रसिद्धि मिली है। खेलों को प्रोत्साहन एवं उत्साह बढ़ाने के लिये विश्व एवं संबंधित देश विभिन्न खेल प्रतिस्पर्द्धाओं का आयोजन करते हैं एवं खिलाड़ियों को पुरस्कृत करते हैं। इन पुरस्कारों को विश्व एवं एशिया के विभिन्न खेल क्षेत्रों में खिलाड़ियों के बहुमूल्य योगदान के लिये प्रदान किया जाता है।

4.1 विश्व के प्रमुख खेल पुरस्कार *(World's Premier Sports Awards)*

अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद के पुरस्कार
(Awards of the International cricket council)

अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (ICC : International Cricket Council) द्वारा क्रिकेट में विशिष्ट उपलब्धियों के लिये वर्ष 2004 से ये पुरस्कार प्रदान किये जाते हैं। इन पुरस्कारों को **क्रिकेट के ऑस्कर** की संज्ञा दी गई है। इन पुरस्कारों के विगत वर्षों के प्राप्तकर्त्ता हैं-

क्रिकेटर ऑफ द ईयर (Cricketer of the Year) सर गारफील्ड सोबर्स ट्रॉफी					
वर्ष	क्रिकेटर	देश	वर्ष	क्रिकेटर	देश
2003-04	राहुल द्रविड़	भारत	2010-11	जोनाथन ट्रॉट	इंग्लैंड
2004-05	एंड्रयू फ्लिंटॉफ, जैक कैलिस	इंग्लैंड, दक्षिण अफ्रीका	2011-12	कुमार संगकारा	श्रीलंका
2005-06	रिकी पोंटिंग	ऑस्ट्रेलिया	2012-13	माइकल क्लार्क	ऑस्ट्रेलिया
2006-07	रिकी पोंटिंग	ऑस्ट्रेलिया	2013-14	मिशेल जॉनसन	ऑस्ट्रेलिया
2007-08	शिवनारायण चंद्रपाल	वेस्टइंडीज़	2014-15	स्टीव स्मिथ	ऑस्ट्रेलिया
2008-09	मिशेल जॉनसन	ऑस्ट्रेलिया	2015-16	रविचंद्रन अश्विन	भारत
2009-10	सचिन तेंदुलकर	भारत	2016-17	विराट कोहली	भारत

वीमेंस क्रिकेटर ऑफ द ईयर (Women's Cricketer of the Year)					
वर्ष	क्रिकेटर	देश	वर्ष	क्रिकेटर	देश
2005-06	कारेन रोल्टान	ऑस्ट्रेलिया	2011-12	स्टैफिनी टेलर	वेस्टइंडीज
2006-07	झूलन गोस्वामी	भारत	2012-13	सूज़ी बेट्स	न्यूज़ीलैंड
2007-08	कार्टलोटे एडवर्ड्स	इंग्लैंड	2013-14	सराह टेलर	इंग्लैंड
2008-09	क्लेयर टेलर	इंग्लैंड	2014-15	मैग लॉर्निंग	ऑस्ट्रेलिया
2009-10	शैली निश्के	ऑस्ट्रेलिया	2015-16	सूज़ी बेट्स	न्यूज़ीलैंड
2010-11	स्टैफिनी टेलर	वेस्टइंडीज	2016-17	एलाइज पैरी	ऑस्ट्रेलिया

अध्याय
5

प्रमुख खेल पुरस्कार : भारत एवं राजस्थान (Major Sports Awards : India and Rajasthan)

खेल के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को सम्मानित और पुरस्कृत करने के लिये प्रतिवर्ष राष्ट्रीय खेल पुरस्कार प्रदान किये जाते हैं। चार वर्ष की अवधि में खिलाड़ियों को सबसे शानदार और उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिये राजीव गांधी खेल रत्न पुरस्कार, चार वर्ष की अवधि में लगातार बेहतरीन प्रदर्शन के लिये अर्जुन पुरस्कार, प्रतिष्ठित अंतर्राष्ट्रीय खेल प्रतिस्पर्द्धाओं में पदक विजेता खिलाड़ी तैयार करने वाले कोच को द्रोणाचार्य पुरस्कार, खेल के विकास में जीवन भर योगदान देने के लिये ध्यानचंद पुरस्कार और खेलों के विकास तथा उन्हें बढ़ावा देने के क्षेत्र में अहम भूमिका निभाने वाली कंपनियों (निजी और सार्वजनिक क्षेत्र की) को राष्ट्रीय खेल प्रोत्साहन पुरस्कार प्रदान किये जाते हैं। अंतर विश्वविद्यालयी प्रतिस्पर्द्धाओं में सबसे उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विश्वविद्यालय को मौलाना अबुल कलाम आज़ाद ट्रॉफी प्रदान की जाती है। राजस्थान राज्य भी विभिन्न खेलों क लिये खेल पुरस्कार प्रदान करता है, जैसे– महाराणा प्रताप पुरस्कार।

5.1 भारत के प्रमुख खेल पुरस्कार *(India's Major Sports Awards)*

देश में खेलों को प्रोत्साहित करने और खिलाड़ियों के प्रदर्शन में उच्च स्तरीय क्षमता का विकास करने के उद्देश्य से विभिन्न खेल संस्थाओं एवं सरकार की ओर से खिलाड़ियों को पुरस्कृत किया जाता है। इससे खिलाड़ियों को उत्कृष्ट प्रदर्शन की प्रेरणा मिलती है और वे विश्वस्तरीय प्रतिस्पर्द्धाओं में अपने प्रदर्शन से देश का नाम ऊँचा करने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

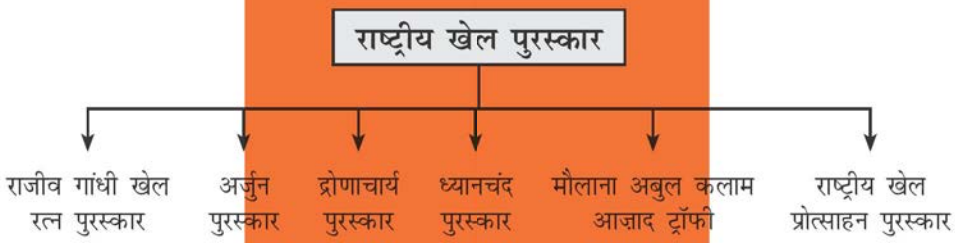

राजीव गांधी खेल रत्न पुरस्कार *(Rajiv Gandhi Khel Ratna Award)*

- खेल के क्षेत्र में दिया जाने वाला 'राजीव गांधी खेल रत्न पुरस्कार' भारत का सबसे बड़ा पुरस्कार है।
- इसकी स्थापना 1991-92 में की गई थी।
- इस पुरस्कार के अंतर्गत एक पदक, एक प्रशस्ति पत्र और 7.50 लाख रुपए पुरस्कृत व्यक्ति को प्रदान किये जाते हैं।
- इस पुरस्कार से उन्हीं खिलाड़ियों को पुरस्कृत किया जाता है, जिन्होंने विचाराधीन वर्ष में उल्लेखनीय उपलब्धि खेल के क्षेत्र में हासिल की हो। परंतु 2016 में एक नया नियम बनाया गया है जो खिलाड़ी विचाराधीन वर्ष में ओलंपिक में पदक जीतेगा उसे 'राजीव गांधी खेल रत्न पुरस्कार' में वरीयता दी जाएगी।
- वर्ष 2008 एवं 2014 में 'राजीव गांधी खेल रत्न पुरस्कार' से किसी भी खिलाड़ी को सम्मानित नहीं किया गया।
- प्रथम 'राजीव गांधी खेल रत्न पुरस्कार' का खिताब भारत के महान शतरंज खिलाड़ी **विश्वनाथन आनंद** (1991-92) को दिया गया।
- राजस्थान के श्री राज्यवर्द्धन सिंह राठौड़ को 2004-05 में राजीव गांधी खेल रत्न पुरस्कार प्रदान किया गया।

अध्याय
6

प्रमुख खेल व्यक्तित्व : विश्व एवं एशिया (Major Sports Personalities : World and Asia)

संपूर्ण विश्व में कई प्रकार के खेल खेले जाते हैं और भिन्न-भिन्न देशों में भिन्न-भिन्न खेलों का महत्त्व होता है। सामान्यत: खेल को एक संगठित, प्रतिस्पर्द्धात्मक और प्रशिक्षित शारीरिक गतिविधि के रूप में परिभाषित किया जाता है जिसमें प्रतिबद्धता तथा निष्पक्षता होती है। विश्व में खेलों के प्रति लोगों का रुझान प्राचीनकाल से ही रहा है। वर्तमान में विश्व एवं एशिया में खेल के प्रत्येक क्षेत्र में खिलाड़ियों ने काफी प्रसिद्धि हासिल की है। विश्व एवं एशिया में फुटबॉल, क्रिकेट, बैडमिंटन, खो-खो, शतरंज इत्यादि खेलों को प्रसिद्धि दिलाने में महान खिलाड़ियों का महत्त्वपूर्ण योगदान है। विश्व एवं एशिया के विभिन्न खेलों में अनेक खिलाड़ियों का अतुलनीय योगदान रहा है।

6.1 विश्व के प्रमुख खेल व्यक्तित्व *(World's Major Sports Personalities)*

क्रिकेट से संबंधित प्रमुख व्यक्तित्व

ग्राहम एलन गूच (इंग्लैंड)

- ग्राहम गूच इंग्लैंड के पूर्व क्रिकेटर हैं, जिन्होंने इंग्लैंड टीम की कप्तानी की थी।
- इनका जन्म 23 जुलाई, 1953 को लेटनस्टोन में हुआ था।
- ग्राहम गूच ने एडिलेड में इंग्लैंड के लिये सबसे अधिक टेस्ट खेलने के डेविड गॉवर के रिकॉर्ड (117 टेस्ट) की बराबरी की।
- वह बल्लेबाज़ी और गेंदबाज़ी दोनों करते थे। मुख्यत: यह सलामी बल्लेबाज़ थे।
- ग्राहम गूच ने टेस्ट क्रिकेट में कुल 20 शतक बनाए।
- 1994 में न्यूज़ीलैंड के विरुद्ध ग्राहम गूच ने दोहरा शतक भी लगाया था।
- इन्होंने अपना पहला और अंतिम टेस्ट मैच ऑस्ट्रेलिया के विरुद्ध खेला था।
- ग्राहम गूच ने अपना पहला एकदिवसीय अंतर्राष्ट्रीय मैच वेस्टइंडीज़ तथा अंतिम ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेला था।

माइक गेटिंग (इंग्लैंड)

- माइक गेटिंग इंग्लैंड के एक प्रसिद्ध क्रिकेट खिलाड़ी रहे हैं। वह इंग्लैंड के पूर्व कप्तान भी रह चुके हैं।
- इनका जन्म 6 जून, 1957 को किंग्सबरी मिडिलसैक्स में हुआ था।
- गेटिंग ने अपना पहला टेस्ट इंग्लैंड में सन् 1978 पाकिस्तान के विरुद्ध खेला।
- सन् 1984 में माइक गेटिंग को 'विज़डन क्रिकेट ऑफ द ईयर' से सम्मानित किया गया था।
- इन्हें अच्छी बल्लेबाज़ी के लिये हमेशा जाना जाएगा।

नासिर हुसैन (इंग्लैंड)

- नासिर हुसैन इंग्लैंड के पूर्व क्रिकेटर एवं कप्तान रहे हैं। इन्होंने 1999 से 2003 के बीच इंग्लैंड की कप्तानी की थी।
- इनका जन्म 28 मार्च, 1968 को मद्रास (तमिलनाडु) में हुआ था।
- इन्होंने कुल 96 टेस्ट मैच एवं 88 एकदिवसीय अंतर्राष्ट्रीय मैच खेले।
- नासिर हुसैन एक महान बल्लेबाज़ थे।
- इन्होंने अपना पहला टेस्ट मैच वेस्टइंडीज़ और अंतिम पाकिस्तान के विरुद्ध खेला।
- इन्होंने टेस्ट में कुल 14 शतक बनाए एवं एकदिवसीय अंतर्राष्ट्रीय मैच में केवल एक शतक इनके नाम दर्ज है।
- वर्तमान में ये क्रिकेट मैचों की कमेंट्री करते हैं।

अध्याय
7

प्रमुख खेल व्यक्तित्व : भारत एवं राजस्थान (Major Sports Personalities : India and Rajasthan)

मानव के समग्र विकास में खेलों की अहम भूमिका रही है। खेल मनोरंजन के साधन और शारीरिक क्षमता पाने का एक माध्यम के साथ-साथ लोगों के बीच स्वस्थ प्रतिस्पर्द्धा की भावना विकसित करने और उनके बीच के संबंधों को सुखद बनाने में भी सहायता करता है। भारत खेल के क्षेत्र में लगातार प्रगति कर रहा है। खेल क्षेत्र में भारत के खिलाड़ियों ने अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अनेक महत्त्वपूर्ण उपलब्धियाँ प्राप्त की हैं। हॉकी के महान भारतीय खिलाड़ी मेजर ध्यानचंद ने जहाँ विश्व हॉकी में प्रसिद्धि हासिल की, वहीं सचिन तेंदुलकर जैसे महान क्रिकेट खिलाड़ी ने विश्व क्रिकेट में अमिट छाप छोड़ी है। इसी तरह क्रिकेट, बैडमिंटन, शतरंज इत्यादि खेलों में भी भारतीयों ने विश्व-पटल पर अपना परचम लहराया है।

राजस्थान ने खेलकूद और युवा कल्याण गतिविधियों को सुचारु और व्यवस्थित करने के लिये राजस्थान राज्य क्रीड़ा परिषद का गठन किया।

7.1 भारत के प्रमुख खेल व्यक्तित्व *(Major Sports Personalities of India)*

क्रिकेट से संबंधित व्यक्तित्व	
खेल व्यक्तित्व	**संबंधित सूचना**
डी.बी. देवधर	• असाधारण प्रतिभा के धनी देवधर जी का जन्म 1892 में पुणे में हुआ था। • क्रिकेट के लिये असाधारण योगदान के कारण ही उनके नाम से 'देवधर ट्रॉफी' खेली जाती है।
विजय हज़ारे	• भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान विजय हज़ारे भारत के महान खिलाड़ी रहे हैं। • इनका जन्म 11 मार्च, 1915 को सांगली, मुंबई में हुआ था। • भारत ने प्रथम टेस्ट विजय इन्हीं की कप्तानी में प्राप्त की थी।
मंसूर अली खाँ पटौदी	• इनका जन्म 5 अप्रैल, 1941 को **भोपाल (म.प्र.)** में हुआ था। • ये भारतीय टीम के कप्तान भी रहे हैं। • पटौदी का सर्वश्रेष्ठ टेस्ट स्कोर 203 (अविजित) 1964 में इंग्लैंड के विरुद्ध है।
सैयद किरमानी	• महान क्रिकेटर सैयद किरमानी का जन्म 29 दिसंबर, 1949 को चेन्नई में हुआ था। • प्रथम टेस्ट मैच 1976 में न्यूज़ीलैंड के खिलाफ खेला था। • प्रथम एकदिवसीय अंतर्राष्ट्रीय मैच 1976 में न्यूज़ीलैंड के खिलाफ खेला था। • सैयद किरमानी को **वर्ष 2015** में क्रिकेट की सेवा के लिये **लाइफटाइम अचीवमेंट पुरस्कार** दिया गया।
सुनील गावस्कर	• क्रिकेट को अपने जीवन का सर्वस्व मानने वाले सुनील गावस्कर का जन्म 10 जुलाई, 1949 को बंबई में हुआ। इन्हें **लिटिल मास्टर** के नाम से भी जाना जाता है। • सुनील गावस्कर ने टेस्ट जीवन का आरंभ 1970 में किया। • भारत के लिये सुनील गावस्कर ने **कुल 125 टेस्ट** मैच तथा 108 वनडे मैच खेले हैं।
	• सुनील गावस्कर पहले ऐसे क्रिकेटर हैं जिन्होंने एक कैलेंडर वर्ष में टेस्ट मैंचों में 1,000 हज़ार रन चार बार बनाए हैं। • इन्होंने 'सनी डेज' नामक पुस्तक भी लिखी है।

अध्याय
8

प्रमुख खेल संस्थाएँ : विश्व एवं एशिया (Major Sports Associations : World and Asia)

विश्व में खेलों के विकास में दिन-प्रतिदिन वृद्धि हो रही है। खेल, कई नियमों द्वारा संचालित होने वाली एक प्रतियोगी गतिविधि है। विश्व के विभिन्न देशों ने खेलों को संचालित करने के लिये भिन्न-भिन्न संस्थाओं का निर्माण किया है। ये संस्थाएँ खेलों के लिये नियम बनाती हैं तथा नियंत्रण करती हैं। साथ-ही-साथ खिलाड़ियों को प्रोत्साहन भी प्रदान करती हैं।

8.1 विश्व की प्रमुख खेल संस्थाएँ *(World's Premier Sports Associations)*

अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद *(ICC- International Cricket Council)*

- **वर्ष 1909** में इंग्लैंड में इंपीरियल क्रिकेट कॉन्फ्रेंस की स्थापना ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड एवं दक्षिण अफ्रीका द्वारा की गई। **1965** में अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट कॉन्फ्रेंस बनी। **वर्ष 1989** में इसका नाम परिवर्तन करके अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (ICC) कर दिया गया।
- यह विश्व में क्रिकेट प्रतियोगिताओं की नियंत्रक तथा नियामक संस्था है।
- यह प्रतिवर्ष क्रिकेट के सफल खिलाड़ियों तथा टीमों को पुरस्कार देती है।
- खिलाड़ियों तथा टीमों का प्रदर्शन क्रम (रैंकिंग) भी जारी करती है।
- इसका मुख्यालय **दुबई** (संयुक्त अरब अमीरात) में है।

अध्यक्ष	–	जहीर अब्बास
चेयरमैन	–	शशांक मनोहर
सीईओ	–	डेविड रिचर्डसन

अंतर्राष्ट्रीय हॉकी महासंघ *(FIH- International Hockey Federation)*

- इसकी स्थापना **7 जनवरी, 1924** को हुई।
- यह महासंघ मैदानी हॉकी और इनडोर मैदानी हॉकी को संचालित करने वाला अंतर्राष्ट्रीय निकाय है।
- यह अपने सदस्य देशों के अंतर्गत बने हॉकी महासंघों को मान्यता भी प्रदान करता है।
- इस महासंघ का सिद्धांत है, **फेयर प्ले** दोस्ती हमेशा के लिये।
- इसका मुख्यालय **लुसाने (स्विट्ज़रलैंड)** में स्थित है।
- वर्तमान (2017) में इसके अध्यक्ष **नरेंद्र बत्रा** हैं।

अंतर्राष्ट्रीय वॉलीबॉल महासंघ *(FIVB- Federation International de Volleyball)*

- इसकी स्थापना **1947 ई. में पेरिस** में की गई थी।
- ये इनडोर बीच और घास वॉलीबॉल के खेल के लिये एक अंतर्राष्ट्रीय शासी निकाय है।
- इंटरनेशनल वॉलीबॉल फेडरेशन, आमतौर पर एफआईवीबी (FIVB) का परिशोधित रूप है।
- इसका **मुख्यालय लुसाने (स्विट्ज़रलैंड)** में स्थित है।
- इसके वर्तमान (2017) अध्यक्ष **ए. ग्रेका** हैं।

फेडरेशन इंटरनेशनल डी फुटबॉल एसोसिएशन *(FIFA- The Federation International de Football Association)*

- इसकी स्थापना **मई 1904** में हुई।
- यह विश्व की सबसे बड़ी फुटबॉल नियामक संस्था है।

अध्याय
9

प्रमुख खेल संस्थाएँ एवं नीतियाँ : भारत एवं राजस्थान (Major Sports Associations and Policies : India and Rajasthan)

भारत में खेलों का इतिहास प्राचीन काल से आधुनिक काल तक परिवर्तन की विभिन्न अवस्थाओं से गुज़रा है। कबड्डी, शतरंज, खो-खो, कुश्ती, तीरंदाज़ी आदि परंपरागत खेलों के अलावा विभिन्न देशों के संपर्क में आने से भारत में क्रिकेट, जूडो, शूटिंग, टेनिस, बैडमिंटन, फुटबॉल आदि खेलों का विकास तेज़ी से हुआ है। भारत सरकार ने इन खेलों का संचालन करने के लिये भिन्न-भिन्न प्रकार की संस्थाओं का निर्माण किया है। राजस्थान सरकार ने भी भारत सरकार की तर्ज़ पर खेलों के विकास एवं संचालन के लिये बहुत सी संस्थाओं की स्थापना की है।

9.1 भारत की प्रमुख खेल संस्थाएँ एवं नीतियाँ *(India's Major Sports Associations and Policies)*

प्रमुख खेल संस्थाएँ *(Major sports association)*

बंगाल हॉकी एसोसिएशन (Bengal Hockey Association)

- इसकी स्थापना 1908 में कलकत्ता में की गई।
- यह भारत का पहला राष्ट्रीय एसोसिएशन है, जिसने प्रथम बार राष्ट्रीय हॉकी चैंपियनशिप का 1928 में कलकत्ता में आयोजन किया था।
- इसका मुख्यालय कलकत्ता में स्थित है।
- बंगाल हॉकी एसोसिएशन के आधार पर ही बंबई, बिहार, उड़ीसा एवं दिल्ली में हॉकी एसोसिएशन की स्थापना की गई।
- वर्तमान (2017) में इसके अध्यक्ष श्री **गौतम मोहन चक्रवर्ती** हैं।

भारतीय हॉकी महासंघ (Indian Hockey Federation)

- भारतीय हॉकी महासंघ भारत में अंतर्राष्ट्रीय हॉकी महासंघ की शाखा थी।
- अप्रैल 2008 में इसे भ्रष्टाचार के आरोपों के कारण भंग कर दिया गया।

हॉकी इंडिया (Hockey India)

- इसकी स्थापना 20 मई, 2009 को की गई।
- हॉकी इंडिया भारत में हॉकी संचालन हेतु अंतर्राष्ट्रीय हॉकी महासंघ और भारत सरकार से मान्यता प्राप्त संस्था है।
- वर्तमान में भारतीय हॉकी के लिये ज़िम्मेदार संस्था **हॉकी इंडिया** है।
- मार्च 2014 में भारत सरकार ने हॉकी इंडिया को देश की एकमात्र संस्था के रूप में मान्यता दी।
- वर्तमान (2017) में हॉकी इंडिया के अध्यक्ष **मरियम्मा कोशी** हैं।

भारतीय क्रिकेट नियंत्रण बोर्ड (The Board of Control for Cricket in India–BCCI)

- भारतीय क्रिकेट नियंत्रण बोर्ड की स्थापना दिसंबर 1928 में तमिलनाडु सोसायटी पंजीकरण अधिनियम के तहत की गई।
- यह भारत में क्रिकेट संबंधी सभी गतिविधियों को संचालित करता है।
- यह राज्यों के क्रिकेट संघों का प्रमुख होता है।
- भारत में यह एक राष्ट्रीय स्वायत्तशासी निकाय है।
- इसका मुख्यालय **मुंबई** में स्थित है।

अध्याय
10

खेलों में प्राथमिक उपचार (First Aid in Sports)

प्राथमिक उपचार को प्राथमिक चिकित्सा, प्राथमिक सहायता तथा फर्स्ट-एड भी कहा जाता है। किसी भी घायल या बीमार व्यक्ति को अस्पताल तक पहुँचाने से पूर्व पीड़ित की जान बचाने के लिये जो कुछ भी उपाय किया जाता है, उसे ही प्राथमिक उपचार कहा जाता है। आपातकाल की स्थिति में पीड़ित खिलाड़ी की जान बचाने के लिये चिकित्सा सुविधा मुहैया करानी चाहिये। प्राथमिक उपचार से तात्पर्य कम से कम साधनों में इतनी व्यवस्था किया जाना कि खेलों के दौरान चोटग्रस्त खिलाड़ी को तुरंत उपचार में लगने वाले समय में कम से कम नुकसान हो। प्राथमिक चिकित्सा के निम्नलिखित प्रमुख उद्देश्य हैं-

1. घायल व्यक्ति या पीड़ित व्यक्ति की जान बचाना
2. आपातकालीन स्थिति को तत्काल नियंत्रण की स्थिति में लाना।
3. पीड़ित व्यक्ति की तबीयत में सुधार लाना।

प्राथमिक उपचार के प्रमुख सिद्धांत

1. यदि खेलों के दौरान चोट लगी है तथा खून बह रहा है तो तुरंत रक्तस्राव को रोकना चाहिये।
2. यदि खेलों के दौरान श्वास में दिक्कत हो रही है तो तुरंत उसकी जाँच कर आराम देना चाहिये।
3. यदि खेलों के दौरान खिलाड़ी घायल हुआ है तो उसे तुरंत उचित उपचार उपलब्ध कराना चाहिये।
4. यदि खिलाड़ी बेहोश हो गया है तो तुरंत उसे होश में लाने की कोशिश करनी चाहिये।
5. यदि खिलाड़ी की हड्डी टूट गई है तो तुरंत दर्द राहत उपाय करनी चाहिये।
6. जितनी जल्दी हो सके घायल खिलाड़ी को नज़दीकी अस्पताल या चिकित्सालय में पहुँचाने की व्यवस्था करनी चाहिये।

- खेलों के दौरान चोट लगना, खून निकलना, हड्डी टूट जाना इत्यादि के उपचार के लिये फर्स्ट एड किट का होना आवश्यक होता है। इसमें बैंडेज एवं ड्रेसिंग का सामान होना आवश्यक है।
- तुरंत चिपकने वाली पट्टियाँ जैसे बैंड एड स्टिकलिंग प्लास्टर
- छाले के उपचार और रोकथाम के लिये मोलस्किन (Moleskin)
- बैंडेज ***(Bandages)*** जैसे-
  - रोलर बैंडेज - घाव को जल्द से जल्द सुखाने में मदद करता है।
  - इलास्टिक बैंडेज - माँसपेशियों में खिंचाव होने पर ड्रेसिंग में काफी उपयोगी होता है।
  - जलरोधक बैंडेज
  - त्रिकोणीय पट्टियाँ या बैंडेज - यह रक्तस्राव को तुरंत रोकने में मदद करता है।
- ड्रेसिंग की प्रमुख सामग्री निम्नलिखित है-
  - कीटाणुरहित आँख के लिये Sterile eye pads
  - अजीवाणु गॉज पैड
  - न चिपकने वाला टेफलोन लेयर वाला पैड
  - पेट्रोलेटम गॉज पैड
- प्राथमिक चिकित्सा के किट के लिये निम्नलिखित प्रमुख दवाइयाँ हैं-
  - दर्द निवारक दवाइयाँ, जैसे- Diclofenac, Paracetamol
  - हार्ट अटैक में आराम के लिये दवाइयाँ, जैसे- Aspirin, Nitriglycerin, Sorbitrate
  - एंटीबायोटिक आइंटमेंट- एलोबेरा जेल (Aloevera gel), क्लोबेटासोलद (Clobetasol), नियोस्पोरिन (NEOsporin)

खेलों के दौरान लगने वाले चोटों के लक्षण-

1. एंकल स्प्रैन (Ankle Sprain): इस प्रकार की चोटों में दर्द एवं सूजन होती है।
2. ब्रुसेस (Bruises): इस प्रकार की चोटों में खून निकलता है।
3. कंक्यूजन (Concussion): इस प्रकार की चोटों में सिर दर्द, चक्कर आना, अम्लिया, अशांति, संतुलन का नुकसान, ध्यान केंद्रित करने में कठिनाई और मतली शामिल हैं।
4. निर्जलीकरण (Dehydration): शरीर में अधिक मात्रा में जल की कमी होने से यह समस्या होती है। सामान्यत: निर्जलीकरण गर्मी के दिनों में ही होती है।

अध्याय
11

योग–एक सकारात्मक जीवन पद्धति (Yoga - A Positive Life Style)

योग अत्यंत सूक्ष्म विज्ञान पर आधारित ज्ञान है जो मन और शरीर के बीच सामंजस्य बैठाने का कार्य करता है। यह स्वस्थ जीवन जीने की कला एवं विज्ञान है। संस्कृत वाड्मय के अनुसार योग शब्द युज् धातु में घञ प्रत्यय लगाने से निष्पन्न होता है जो पाणिनीय व्याकरण के अनुसार तीन अर्थों में पाया जाता है 1. युज् समाधौ = समाधि 2. युजिर योगे = जोड़ 3. युज् संयमने = सामंजस्य। यौगिक ग्रंथों के अनुसार, योग का अभ्यास व्यक्तिगत चेतनता को सार्वभौमिक चेतनता के साथ एकाकार कर देता है। आधुनिक वैज्ञानिकों के अनुसार ब्रह्मांड में उपस्थित सब कुछ परमाणु की एक अभिव्यक्ति है। जिसने योग में इस अस्तित्व के एकत्व का अनुभव कर लिया, उसे योगी कहा जाता है। योगी पूर्ण स्वतंत्रता प्राप्त कर मुक्तावस्था को प्राप्त करता है जिसे मुक्ति, निर्वाण, कैवल्य या मोक्ष कहा जाता है।

'योग' का प्रयोग आंतरिक विज्ञान के रूप में भी किया जाता है, जो विभिन्न प्रकार की प्रक्रियाओं का सम्मिलन है, जिसके माध्यम से मनुष्य शरीर एवं मन के बीच सामंजस्य स्थापित कर आत्म साक्षात्कार को प्राप्त करता है। योग अभ्यास (साधना) का उद्देश्य सभी प्रकार के दु:खों से आत्यंतिक निवृत्ति प्राप्त करना है, जिससे प्रत्येक व्यक्ति जीवन में पूर्ण स्वतंत्रता, स्वस्थ जीवन, प्रसन्नता एवं सामंजस्य का अनुभव प्राप्त कर सके।

योग का संक्षिप्त इतिहास एवं विकास

योग विद्या का उद्भव हज़ारों वर्ष प्राचीन है, श्रुति परंपरा के अनुसार भगवान शिव योग विद्या के प्रथम आदिगुरु, योगी या आदियोगी हैं। हज़ारों-हज़ार वर्ष पूर्व हिमालय में कांतिसरोवर झील के किनारे आदियोगी ने योग का गूढ़ ज्ञान पौराणिक सप्तर्षियों को दिया था। इन सप्तर्षियों ने इस अत्यंत महत्त्वपूर्ण योग विद्या को एशिया, मध्यपूर्व, उत्तरी अफ्रीका एवं दक्षिण अमेरिका सहित विश्व के अलग-अलग भागों में प्रसारित किया। अत्यंत रोचक तथ्य यह है कि आधुनिक विद्वान संपूर्ण पृथ्वी की प्राचीन संस्कृतियों में समानता मिलने पर अचंभित हैं। वह भारतभूमि ही है, जहाँ पर योग की विधा पूरी तरह अभिव्यक्त हुई है। भारतीय उपमहाद्वीपों में भ्रमण करने वाले सप्तर्षि एवं अगस्त्य मुनि ने इस योग संस्कृति को जीवन के रूप में विश्व के प्रत्येक भाग में प्रसारित किया।

योग का व्यापक स्वरूप तथा सिंधु एवं सरस्वती घाटी सभ्यता

योग ने मानवता के मूर्त और आध्यात्मिक दोनों रूपों को महत्त्वपूर्ण बनाकर स्वयं को सिद्ध किया है। सिंधु, सरस्वती घाटी सभ्यता में योग साधना करती अनेक आकृतियों के साथ प्राप्त ढेरों मुहर एवं जीवाश्म अवशेष इस बात का प्रमाण हैं कि प्राचीन भारत में योग का अस्तित्व था। सरस्वती घाटी सभ्यता से प्राप्त देवी एवं देवताओं की मूर्तियाँ एवं मुहरें तंत्र योग का संकेत करती हैं। वैदिक एवं उपनिषद परंपरा, शैव, वैष्णव तथा तांत्रिक परंपरा, भारतीय दर्शन, रामायण एवं भगवद्गीता समेत महाभारत जैसे महाकाव्यों, बौद्ध एवं जैन परंपरा के साथ-साथ विश्व की लोक विरासत में भी योग मिलता है। योग का अभ्यास पूर्व वैदिक काल में भी किया जाता था। महर्षि पतंजलि ने उस समय प्रचलित प्राचीन योग अभ्यासों को व्यवस्थित रूप से वर्गीकृत किया और इसके निहितार्थ एवं इससे संबंधित ज्ञान को पातंजलयोगसूत्र नामक ग्रंथ में क्रमबद्ध रूप से व्यवस्थित किया है।

डी.एल.पी. बुकलेट्स की विशेषताएँ

- आयोग के नवीनतम पैटर्न पर आधारित अध्ययन सामग्री।
- पैराग्राफ, बुलेट फॉर्म, सारणी, फ्लोचार्ट तथा मानचित्र का उपयुक्त समावेश।
- विषयवस्तु की सरलता, प्रामाणिकता तथा परीक्षा की दृष्टि से उपयोगिता पर विशेष ध्यान।
- क्विक रिवीजन हेतु प्रत्येक अध्याय में महत्त्वपूर्ण तथ्यों का संकलन।
- प्रत्येक अध्याय के अंत में विगत वर्षों में पूछे गए एवं संभावित प्रश्नों का समावेश।

Website : www.drishtiIAS.com
E-mail : online@groupdrishti.com

DrishtiIAS

YouTube Drishti IAS

drishtiias

drishtithevisionfoundation

641, First Floor, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi-110009
Phones : 011-47532596, +91-8130392354, 813039235456